



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—भाग I

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २१९]

नई विल्सी, शुक्रवार, नवम्बर ९, १९७९/कार्तिक १८, १९०१

No. 219]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 9, 1979/KARTIKA 18, 1901

इस भाग में भिन्न पुल्ल संक्षय की आसी है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(प्रग्रहण कर प्रभाग)

सं० प्रतिप्रदायाग्री/सा०स० २७/७९

सार्वजनिक सूचना

नई विल्सी, ९ नवम्बर, १९७९

परन्तु यह यह है कि उन अन्तर्वस्तु के सबध में उपर्युक्त वर पर प्रति अवायगी तभी स्वीकार्य होनी यदि पात लदान के समय निर्माता/निर्यातकर्ता यह घोषित करता है और यदि आवश्यक हो, तो सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता के समाधानप्रद रूप में यह प्रस्तुत करता है कि सूत वर्टेंड सूत है।

२ उप अम सं० २५०२ की मद (ख) के बाद निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

(ग) २१ दो० डब्ल्यू० एस० या ९ ३० र० (केवल नौ रुपये तीस पैसे उमसे कम सूक्ष्म का वर्टेंड सूत, (जिसम हाथ की बुनाई/हौजरी का वर्टेंड सूत शामिल हो) जिसमे कुल ततु अन्तर्वस्तु पर परिणित उन का भार ५० प्रतिशत से अधिक हो।

परन्तु यह है कि उन अन्तर्वस्तु के बारे में प्रतिप्रदायगी की उपर्युक्त दर तभी स्वीकार्य होनी यदि निर्माता/निर्यातकर्ता पात-लदान के समय यह घोषित करता है और यदि आवश्यक हो, तो सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता के समाधानप्रद रूप में यह सबूत प्रस्तुत करता है कि सूत वर्टेंड सूत है।

(इ) उन अन्तर्वस्तु—

(i) बुनाई किसम के वर्टेंड २५ ५० र० (केवल पचास रुपये सूत में। पचास पैसे) प्रति किलोग्राम।

(ii) हौजरी/हाथ की बुनाई २३ ९५ र० (केवल तेहस रुपये किसम के वर्टेंड सूत में। पचास पैसे) प्रति किलोग्राम।

3. उप क्रम सं० 2503 के शण्ड (ग) की मद सं० (i) की उप मद (ग) के बाद निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

उन अन्तर्वस्तु—

(इ) बुनाई किस्म के वस्टेंड सूत 26.55 रु० (केवल छाईस रुपये में। पक्षपन पैसे) प्रति किलोग्राम।

(ब) उन अन्तर्वस्तु :

हाजरी/हाथ की बुनाई 25.00 रु० (केवल पच्चीस रुपये) किस्म के वस्टेंड सूत में। प्रति किलोग्राम।

परन्तु शार्त यह है कि, संशोधित तत्त्व/उन अन्तर्वस्तु के बारे में ग्रन्तिअदायगी की उपर्युक्त दर तभी स्वीकार्य होगी, यदि निर्माता/निर्यातकर्ता पौत्र-स्वादान के समय यह घोषित करता है और यदि आवश्यक हो, तो सहायक सीमाशुल्क समाहर्ता के समाधानप्रद रूप में यह सबूत प्रस्तुत करता है कि :—

(क) उपर्युक्त मद (इ) और (ब) के अन्तर्गत प्रयुक्त सूत वस्टेंड किस्म का है; और

(ख) तत्त्व (तनुओं) पर आवा किये गये केन्द्रीय उत्पादन शुल्क से, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम 1944 के अन्तर्गत कोई रिबेट प्राप्त नहीं की गई है।

4. उप क्रम सं० 2503 की मद (ग) की उप मद (i) के बाद निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(ii) 21 बी० डब्ल्यू० एस० 9.70 रु० (केवल नौ रुपये सत्तर उससे कम सूत्रांक के वस्टेंड सूत से, (जिसमें हाथ की बुनाई/ जै० का वस्टेंड सूत शामिल है) जिसमें कुल तंतु अन्तर्वस्तु पर परिणामत उन का भार 50 प्रति शत से अधिक हो, नियमित माल में उन अन्तर्वस्तु।

परन्तु शार्त यह है कि उन अन्तर्वस्तु के बारे में प्रति अदायगी की उपर्युक्त दर तभी स्वीकार्य होगी यदि निर्माता/निर्यातकर्ता पौत्र-स्वादान के समय यह घोषित करता है और, यदि आवश्यक हो, तो सहायक सीमाशुल्क समाहर्ता के समाधानप्रद रूप में यह सबूत प्रस्तुत करता है कि सूत वस्टेंड सूत है।

5. यह सार्वजनिक सूचना अक्टूबर, 79 के चौथे दिन से लागू हुई समझी जायगी।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Indirect Taxes Division)

NO. DRAWBACK/PN-77/79

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 9th November, 1979

F. No. 602/1/79-DBK.—Under rule 4 of the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 (Notification No. 52/F. No. 602/2/70-DBK published in the Gazette of India, Extra-ordinary, dated the 25th August, 1971), the Central Government hereby makes the following amendments in the

Table published in the Public Notice No. DRAWBACK/PN-1 dated the 15th October, 1971, as amended from time to time :—

1. After sub-item (d) of item (A) of sub-serial No. 2502 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

(a) Wool Content—

(i) In the worsted yarn of Rs. 25.50 (Rupees twenty five weaving quality. and paise fifty only) per kg.

(ii) In the worsted yarn of Rs. 23.95 (Rupees twenty hosiery/hand knitting) three and paise ninety five quality. only.

Provided that drawback at the above rate in respect of wool content may be admissible only if the manufacturer/exporter at the time of shipment declares and, if necessary, produce proof to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the yarn is Worsted yarn.

2. After item (B) of sub-serial No. 2502, the following shall be inserted, namely :—

(C) Worsted yarn, (including Rs. 9.30 (Rupees nine and worsted hand knitting/ paise thirty only) per kg. hosiery yarn) of 21 BWS or less counts, containing more than 50% by weight of Wool calculated on the total fibre content.

Provided that the drawback at the above rate in respect of wool content may be admissible if the manufacturer/exporter at the time of shipment declares and, if necessary, produces proof to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the yarn is Worsted yarn.

3. After sub-item (d) of item (i) of clause (C) of sub-serial No. 2503, the following shall be inserted, namely :—

(e) Wool Content—

in the worsted yarn of Rs. 26.55 (Rupees twenty six weaving quality. and paise fifty five only) per kg.

(f) Wool Content

worsted yarn of hosiery/ Rs. 25.00 (Rupees twenty five hand knitting quality only) per kg.

Provided that the drawback at the above rate on account of synthetic fibre/wool content may be admissible only if the manufacturer/exporter at the time of shipment declares and if necessary produces proof of the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that—

(a) the yarn used under item (e) and (f) above is of worsted type; and

(b) not rebate of the Central Excise duty paid on the fibre(s) has been obtained under the Central Excise Rules, 1944.

4. After sub-item (i) of item (C) of sub-serial No. 2503, the following shall be inserted, namely :—

(ii) Wool content in the goods Rs. 9.70 (Rupees nine made out of Worsted yarn and paise seventy only) (including Worsted hand knitting/hosiery yarn) of 21 BWS or less content containing more than 50% by weight of Wool calculated on the total fibre content.

Provided that the drawback at the above rate in respect of Wool content may be admissible if the manufacturer/exporter at the time of shipment declares and, if necessary, produces proof to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the yarn is worsted yarn.

5. This Public Notice shall be deemed to have come into force on the 4th day of October, 1979.

गृहिनी-पत्र

सं० प्र० अ०/सा० सू० 78/79

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1979

फा० सं० 662/1/79-डी० बी० के०—भारत के राजपत्र, (भ्रातारण) के भाग 1, खण्ड (1) में प्रकाशित विनाक 18 जुलाई, 1979 की सा० सू० म० प्र० अ०/सा० सू० 48/79 में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित घुटियां करती हैं, अर्थात्—

“मास का विवरण” स्तंभ में उप मक (क) में “कोत्र” शब्द के बाद और “उपर्युक्त” शब्द के पहले निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

“प्रत्येक मुद्य संवाहक के”

CORRIGENDA

NO. DRAWBACK/PN-78/79

New Delhi, the 9th November, 1979

F. No. 602/1/79-DBK.—In the Public Notice No. DRAWBACK/PN-48/79 dated the 18th July, 1979 published in Part I, Section (1) of the Gazette of India (Extra ordinary), the Central

Government hereby makes the following corrections therein, namely:—

In the column 'Description of goods' in sub-item (a) after the words "area" and before the words "above" the following shall be added, namely:—

“of each main conductor”

सं० प्र० अ०/सा० सू० 79/79

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1979

फा० सं० 602/1/79 डोकोड़े—भारत के राजपत्र, भ्रातारण, भाग 1, खण्ड (1) में प्रकाशित विनाक 31 अगस्त, 1979 की सांख्यिक सूचना सं० प्र० अ०/सा० सू० 58/79 में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित टिप्पणी जोड़ती है—

मन्त्र में निम्नलिखित “टिप्पणी” जोड़ी जाएगी, अर्थात्:—

“टिप्पणी—यह सां सू० 12 जुलाई, 1977 से लागू हुई समझी जाएगी।

महेश कुमार, प्रबर सचिव

NO. DRAWBACK/PN-79/79

New Delhi, the 9th November, 1979

F. No. 602/1/79-DBK.—In the Public Notice No. DRAWBACK/PN-48/79 dated 31-8-1979 published in Part I, Section 1) of the Gazette of India, Extra-Ordinary, the Central Government hereby makes the following additions therein:—

At the end, the following 'Note' shall be added, namely:—

“Note:—This Public Notice shall be deemed to have come into force on the 12th July, 1977”.

MAHESH KUMAR, Under Secy

